UNIVERSITY OF KOTA

KOTA

पाठ्यक्रम

SYLLABUS

SCHEME OF EXAMINATION AND

COURSES OF STUDY

FACULTY OF ARTS AND SOCIAL SCIENCES

M.A. SINDHI

EXAMINATION – 2023-24

कोटाविश्वविद्यालय, कोटा

COURSE STRUCTURE WITH DISTRIBUTION OF MARKS

Duration of the Course:

The course M.A (SINDHI) shall consist of two academic years divided into four semesters.

Scheme of Examinations:

The examination shall be divided into two parts in which first part is continuous assessment or internal assessment and second part is semester assessment or external assessment. The schemes for the internal and external examinations shall be as under:

a) The assessment of the student for theory paper shall be divided into two parts in which first part is continuous assessment or internal assessment (33.33% of maximum marks) and second part is semester assessment or external assessment (66.66% of maximum marks).

b) ***Private students*** **-** For Continuous assessment or internal assessment (50 Marks) for each theory paper shall be taken by the college [College assigned by University] in each semester. There will be two components. First will be Report writing of 40 marks. Each private student will prepare a report [Hand written or typed]on any topic of each course in minimum 1000 words from the prescribed syllabus of the theory paper. Their will be Viva voce of 10 marks.

c) The external assessment shall be of three hours duration for each theory paper.

d) The syllabus for each theory paper is divided into five independent units and each theory question paper will be divided into two sections as mentioned below:
   - ***Section-A*** *shall have 01 compulsory question comprising 10 questions (maximum 20 words answer) taking two questions from each unit. Each question shall be of two mark and total marks of this section will be 20. This section will be compulsory in the paper.*
   - ***Section-B*** *will carry 80 marks with equally divided into five long answer type questions and two questions from each unit and students attempt five questions by selecting one question from each unit.*

e) 'Student should qualify both internal & external assessment separately to pass the paper. If Candidate pass in internal examined fails in external exam, the marks of internal exam will be carried forwarded.

अंकों के वितरण के साथ पाठ्यक्रम संरचना

पाठ्यक्रम की अवधि:

पाठ्यक्रम एम.ए. (सिंधी) में दो शैक्षणिक वर्ष होंगे जो चार सेमेस्टर में विभाजित होंगे।

परीक्षा की योजना:

परीक्षा को दो भागों में विभाजित किया जाएगा जिसमें पहला भाग सतत मूल्यांकन या आंतरिक मूल्यांकन है और दूसरा भाग सेमेस्टर मूल्यांकन या बाहरी मूल्यांकन है। आंतरिक और बाह्य परीक्षाओं की योजनाएँ इस प्रकार होंगी:

थ्योरी पेपर के लिए छात्र के मूल्यांकन को दो भागों में विभाजित किया जाएगा जिसमें पहला भाग निरंतर मूल्यांकन या आंतरिक मूल्यांकन (अधिकतम अंकों का 33.33%) और दूसरा भाग सेमेस्टर मूल्यांकन या बाहरी मूल्यांकन (अधिकतम अंकों का 66.66%) है।

प्राइवेट छात्र - प्रत्येक सेमेस्टर में कॉलेज [विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित कॉलेज] द्वारा प्रत्येक थ्योरी पेपर के लिए सतत मूल्यांकन या आंतरिक मूल्यांकन (50 अंक) लिए जाएंगे। इसमें दो घटक होंगे. सबसे पहले 40 अंकों की रिपोर्ट लेखन होगी। प्रत्येक निजी छात्र थ्योरी पेपर के निर्धारित पाठ्यक्रम से न्यूनतम 1000 शब्दों में प्रत्येक पाठ्यक्रम के किसी भी विषय पर एक रिपोर्ट [हाथ से लिखी या टाइप की गई] तैयार करेगा। तथा 10 अंकों की मौखिक परीक्षा होगी।

a. प्रत्येक थ्योरी पेपर के लिए बाहरी मूल्यांकन तीन घंटे की अवधि का होगा।
b. प्रत्येक थ्योरी पेपर के पाठ्यक्रम को पांच स्वतंत्र इकाइयों में विभाजित किया गया है और प्रत्येक थ्योरी प्रश्न पत्र को नीचे बताए अनुसार दो खंडों में विभाजित किया जाएगा:
c. खंड-अ: में 01 अनिवार्य प्रश्न होगा जिसमें प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न लेते हुए 10 प्रश्न (अधिकतम 20 शब्दों में उत्तर) होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा और इस खंड के कुल अंक 20 होंगे। यह खंड पेपर में अनिवार्य होगा।
d. खंड-ब: में 80 अंक होंगे, जो समान रूप से पांच दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों और प्रत्येक इकाई से दो प्रश्नों में विभाजित होंगे और छात्र प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करके पांच प्रश्नों का उत्तर देगा।
e. छात्र को पेपर उत्तीर्ण करने के लिए आंतरिक और बाह्य मूल्यांकन दोनों में अलग-अलग उत्तीर्ण होना होगा। यदि आंतरिक परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी बाहरी परीक्षा में असफल हो जाता है, तो आंतरिक परीक्षा के अंक आगे बढ़ा दिए जाएंगे।

SEMESTER EXTERNAL ASSESSMENT

Duration of Examination: 3 Hours **Max. Marks: 100**

SECTION-A: 10x2=20

(Answer all questions)

(Two question from each unit with no internal choice)

Q. No. 1

(i)	…………………………………………………………………………………	2 Mark
(ii)	…………………………………………………………………………………	2 Mark
(iii)	…………………………………………………………………………………	2 Mark
(iv)	…………………………………………………………………………………	2 Mark
(v)	…………………………………………………………………………………	2 Mark
(vi)	…………………………………………………………………………………	2 Mark
(vii)	…………………………………………………………………………………	2 Mark
(viii)	…………………………………………………………………………………	2 Mark
(ix)	…………………………………………………………………………………	2 Mark
(x)	…………………………………………………………………………………	2 Mark

SECTION-B: 5x16 = 80

(Answer all questions)

(One question from each unit with internal choice)(Maximum two sub-divisions only)

Q. No. 2. ……………………………………………………………………

Or

…………………………………………………………………… **16 Marks**

Q. No. 3. ……………………………………………………………………

Or

…………………………………………………………………… **16 Marks**

Q. No. 4. ……………………………………………………………………………

Or

…………………………………………………………………………… **16 Marks**

Q. No. 5. ……………………………………………………………………………

Or

…………………………………………………………………………… **16 Marks**

Q. No. 6. ……………………………………………………………………………

Or

…………………………………………………………………………… **16 Marks**

COURSE CODE – SIN ………….T

(SEMESTER-I & II)

Year/Semester	Serial Number, Code & Nomenclature of Paper COURSE CODE – SIN ……………T			Duration of Exam.	Distribution of Marks			Min. Pass Marks	
	Sr. No.	Paper	Nomenclature		Internal Assess.	Sem. Assess.	Total Marks	Internal Assess.	Sem. Assess.
I/I	1.1	SIN-101DCC	शाह अब्दुल लतीफ़	3 Hrs	50	100	150	20	40
	1.2	SIN-102 DCC	सामी	3 Hrs	50	100	150	20	40
	1.3	SIN-103 DCC	सिंधी मज़मून ऐं नाटक	3 Hrs	50	100	150	20	40
	1.4	SIN-104 DCC	सिंधी नॉविल ऐं कहाणी	3 Hrs	50	100	150	20	40
TOTAL					200	400	600		
I/II	2.1	SIN-201 DCC	सिंधी साहित्य जो इतिहास (अवाइली दौरु)	3 Hrs	50	100	150	20	40
	2.2	SIN- 202 DCC	सिंधी साहित्य जो इतिहास (1853 खां अजु ताईं)	3 Hrs	50	100	150	20	40
	2.3	SIN-203 DCC	सिंधी साहित्य जूं विधाऊं	3 Hrs	50	100	150	20	40
	2.4	SIN- 204 DCC	भारतीय ऐं पाश्चात्य साहित्य जी आलोचना जा सिद्धांत	3 Hrs	50	100	150	20	40
TOTAL					200	400	600		

SEMESTER-I
SIN-101DCC
शाह अब्दुल लतीफ़

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक** 100

इकाई(I) शाह लतीफ़ जो जीवन, शख़्सियत ऐं काव्य

इकाई(II) सुर कल्याण

इकाई(III) सुर सांमूडी

इकाई(IV) सुर सुहिणी

इकाई(V) सुर सोरठ

संदर्भ पुस्तकें:

1. डॉ. होतचन्द मूलचन्दगु रबक्षाणी - मुकदमें लतीफी
2. कल्याण बी. आडवाणी - शाह
3. जेठमल गुलराजाणी - शाह जूं आखाणियूं
4. भेरूमल मेहरचन्द - लतीफी सैर
5. डॉ. मोतीलाल जोतवाणी - शाह अब्दुल लतीफ हिज़ लाइफ एण्ड वर्क
6. प्रो. पोपटी हीरानन्दाणी - शाह सिन्धी तहज़ीब जो रूह
7. डॉ. मोतीलाल जोतवाणी - सूफीज़ ऑफ सिन्ध
8. प्रो. नारायण दास भम्भाणी - शाह जूं सूरमियूं
9. डॉ. एम. के. जेतली - शाह जो रसालो हिकु अभ्यास
10. परसो गिदवाणी - शाह जो शइर

SEMESTER-I
SIN-102 DCC
सामी

समय 3 घंटे | **अधिकतम अंक** 100

इकाई(I) सामीअ जो जीवन, शख़्सियत ऐं काव्य

इकाई(II) सामीअ जो वेदांत मत

इकाई(III) माया, अविद्या, मूर्ख, अज्ञानी

इकाई(IV) साधू महिमा, सत्संग, ईश्वर महिमा, गुरमुख

इकाई(V) उपदेश, भग़ती, मुहबत, सुहाग़िण

संदर्भ पुस्तकें:

1. बी. एच. नागराणी - सामीअ जा चूंड सलोक
2. कल्याण आडवाणी - सामी
3. लेखराज अज़ीज़ - सामी
4. डॉ. मोतीलाल जोतवाणी - सूफ़ीज़ ऑफ सिन्ध
5. कीमत हरीसिघांणी - सामीअ जे शलोकनि जो जायज़ो
6. प्रो. लक्ष्मण हर्दवाणी - सामीअ जा सलोक

SEMESTER-I

SIN-103DCC

सिंधी मज़मून ऐं नाटक

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक** 100

इकाई(I) चूंड सिंधी मज़मून - फ़हिरस्त मुज़िब मज़मून 01 खां 07

इकाई(II) चूंड सिंधी मज़मून - फ़हिरस्त मुज़िब मज़मून 08 खां 14

इकाई(III) चूंड सिंधी मज़मून - फ़हिरस्त मुज़िब मज़मून 15 खां 21

इकाई(IV) चूंड सिंधी मज़मून - फ़हिरस्त मुज़िब मज़मून 22 खां 28

इकाई(V) काको कलूमल

पाठ्य पुस्तकें:

1. चूंड सिंधी मज़मून (देवनागरी) - संपादक-कीरत ॿाॿाणी, प्रकाशक राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली
2. काको कलूमल (देवनागरी) - मदन जुमाणी

SEMESTER-I
SIN-104DCC
सिंधी नॉविल ऐं कहाणी

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक:** 100

इकाई(I) सुञाणप जो संकट - फ़हिरस्त मुज़िब इकाई 01 खां 03

इकाई(II) सुञाणप जो संकट - फ़हिरस्त मुज़िब इकाई 04 खां 06

इकाई(III) सुञाणप जो संकट - फ़हिरस्त मुज़िब इकाई 07 खां 08

इकाई(IV) सैलाब ज़िंदगीअ जो – बाबु 01 खां 10

इकाई(V) सैलाब ज़िंदगीअ जो – बाबु 11 खां 21

पाठ्य पुस्तकें:

1. सुञाणप जो संकट (देवनागरी) - मोतीलाल जोतवाणी, प्रकाशक राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली
2. सैलाब ज़िंदगीअ जो (देवनागरी)- पोपटी हीरानंदाणी, प्रकाशक राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली

SEMESTER-II

SIN-201 DCC

सिंधी साहित्य जो इतिहास
(अवाइली दौर)

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक:** 100

इकाई(I) अवाइली दौर इश्क ऐं सुह्र्याईअ किस्सा

इकाई(II) अवाइली दौर युध्दवीरता ऐं दानवीरता जा किस्सा, धर्मी दंध कथाऊं

इकाई(III) भक्ति काव्य जो दौरु – सूफ़ी काव्य धारा

इकाई(IV) भक्ति काव्य जो दौरु - काज़ी कादन, शाह अब्दुल करीम

इकाई(V) भक्ति काव्य जो दौरु – त्रिमूर्ती शाइर

पाठ्य पुस्तकें:

1. सिंधी साहित्य जो इतिहास - एम. के. जैतली
2. सिंधी साहित्य जो मुख़्तिसरु इतिहास - कनैयालाल लेखवाणी

SEMESTER-II

SIN-202 DCC

सिंधी साहित्य जो इतिहास
(1853 खां अज़ु ताईं)

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक:** 100

इकाई(I) सिंधी शइर जो विकास

इकाई(II) सिंधी कहाणीअ जो विकास

इकाई(III) सिंधी नॉविल जो विकास

इकाई(IV) सिंधी नाटक जो विकास

इकाई(V) सिंधी मज़मून ऐं आलोचना जो विकास

पाठ्य पुस्तकें:

1. सिंधी साहित्य जो इतिहास - एम. के. जैतली
2. सिंधी साहित्य जो मुख़्तिसरु इतिहास - कनैयालाल लेखवाणी

SEMESTER-II

SIN-203 DCC

सिंधी साहित्य जूं विधाऊं

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक:** 100

इकाई(I)	• कहाणी • नई कहाणी
इकाई(II)	• नाटक • रेडियोनाटक
इकाई(III)	• उपन्यास • रिपोतार्ज
इकाई(IV)	• निबन्ध
इकाई(V)	• आलोचना जा सिद्धान्त • आलोचना जा गुण

संदर्भ पुस्तकें:

1. सिंधी साहित्य जो इतिहास - एम. के. जैतली
2. साहित्य जा सिद्धांत - आनन्द खेमाणी
3. अदबी आलाप - दीपचन्द्र बेलाणी
4. उसूल ऐं आलोचना -जगदीश लच्छाणी
5. अदबी उसूल - एम. यू. मल्काणी
6. साहित्यक परख - जगदीश लच्छाणी
7. भारतीय ऐं मग़रबी समालोचना - चन्द्र प्रकाश दादलाणी

SEMESTER-II

SIN-204 DCC

भारतीय ऐं पाश्चात्य साहित्य जी आलोचना जा सिद्धांत

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक:** 100

इकाई(I)
- नाट्य शास्त्र
- अलंकार शास्त्र

इकाई(II)
- रस सिद्धान्त
- काव्य जा सम्प्रदाय
- छंद

इकाई(III)
- अरस्तु जो त्रासदी सिद्धांत ऐं अनुकरण
- कालरिज जो कल्पना सिद्धान्त

इकाई(IV)
- टी. एस. इलियट जो संबद्धता सिद्धान्त
- साहित्यक आलोचना जा रूप

इकाई(V)
- रोमानवाद
- नाटक जा सिद्धान्त

संदर्भ पुस्तकें:

1. साहित्य जा सिद्धांत - आनन्द खेमाणी
2. अदबी आलाप - दीपचन्द्र बेलाणी
3. पंज गंज - झमटमल भावनाणी
4. उसूल ऐं आलोचना -जगदीश लच्छाणी
5. अलंकार ऐं छन्द - मोतीलाल जोतवाणी
6. भारतीय काव्य शास्त्र (दो भाग) - बलदेव उपाध्याय
7. भारतीय काव्य शास्त्र - सत्यदेव चौधरी
8. पाश्चात्य साहित्य आलोचना के सिद्धांत - लीलाधर गुप्ता
9. रस सिद्धांत - नगेन्द्र
10. साहित्यक परख - जगदीश लच्छाणी

(SEMESTER-III & IV)

Year/ Semester	Serial Number, Code & Nomenclature of Paper COURSE CODE – SIN ………….T			Duration of Exam.	Distribution of Marks			Min. Pass Marks	
	Sr. No.	Paper	Nomenclature		Internal Assess.	Sem. Assess.	Total Marks	Internal Assess.	Sem. Assess.
I/III	3.1	SIN-301 DCC	1843 खां पोइ जी सिंधी शाइरी (भाग - 1)	3 Hrs	50	100	150	20	40
	3.2	SIN-302 DCC	भाषा विज्ञान जा सिंध्दांत	3 Hrs	50	100	150	20	40
	3.3	SIN-303 DCC	महाकवी किशनचंद बेवस	3 Hrs	50	100	150	20	40
	3.4	SIN-304 DCC	बियनि भाषाऊनि मां तर्जुमो थियल उपन्यास	3 Hrs	50	100	150	20	40
TOTAL					200	400	600		
II/III	4.1	SIN-401 DCC	1843 खां पोइ जी सिंधी शाइरी (भाग - 2)	3 Hrs	50	100	150	20	40
	4.2	SIN-402 DCC	सिंधी भाषा जो इतिहासु	3 Hrs	50	100	150	20	40
	4.3	SIN-403 DCC	बियनि भाषाऊनि मां तर्जुमो थियल नाटक ऐं कहाणियूं	3 Hrs	50	100	150	20	40
	4.4	SIN-404 DCC	विरहाङे खां पोइ सिंधी उपन्यास जो विकास	3 Hrs	50	100	150	20	40
TOTAL					200	400	600		

SEMESTER - III

SIN-301 DCC

1843 खां पोइ जी सिंधी शाइरी (भाग - 1)

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक:** 100

इकाई(I) **शइर बेवस - फ़हिरस्त मूजिब 1 खां 18**

इकाई(II) **शइर बेवस - 19 खां 36**

इकाई(III) **शइर बेवस - 36 खां 54**

इकाई(IV) **रोशन छांवरो - सुफ़ो 1 खां 30**

इकाई(V) **रोशन छांवरो - सुफ़ो 31 खां 76**

संदर्भ पुस्तकें:

1. शइर बेवस - किशनचंद 'बेवस'
2. रोशन छांवरो - नारायण 'श्याम'

SEMESTER - III
SIN-302 DCC
भाषा विज्ञान जा सिंध्दांत

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक:** 100

इकाई(I) **भाषा, भाषा विज्ञान जी परिभाषा ऐं क़िस्म, अहिमियत**

इकाई(II) **भाषा जे जन्म जा सिध्दांत, भाषा विज्ञान खे पढ़ण जा तरीका**

इकाई(III) **ध्वनि विज्ञान, शब्द विज्ञान**

इकाई(IV) **अर्थ विज्ञान, वाक्य विज्ञान**

इकाई(V) **रूप विज्ञान**

संदर्भ पुस्तकें:

1. भाषा शास्त्र - पोपटी हीरानंदाणी
2. सिंधी ॿोलीअ जी तारीख़ - भेरूमल महरचंद
3. भाषा विज्ञान (हिंदी) - भोलाराम तिवारी
4. सिंधी ॿोली - पोपटी हीरानंदाणी

SEMESTER - III
SIN-303 DCC
महाकवी किशनचंद 'बेवस'

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक:** 100

इकाई(I)	• बेवस जी शख़्सियत • गूनागून बेवस
इकाई(II)	• बेवस ऐं ॿाल कविताऊं • बेवस ऐं नारी
इकाई(III)	• बेवस ऐं धर्म • बेवस ऐं कुदिरत
इकाई(IV)	• बेवस जी फेलसूफी (Philosophy) • सामूंडी सिपूं • बेवस ऐं समाजवाद
इकाई(V)	• बेवस जी ॿोली • बेवस जा नाटक • भाग्रिया स्कीम

संदर्भ पुस्तकें:

1. सड्डु पड़ाड्डो साग्रियो - हूंदराज दुखायल
2. नएं दौर जो ॿानी शाइरु बेवस - चन्द्रप्रकाश दादलानी

SEMESTER - III
SIN-304 DCC
ब्रियनि भाषाऊनि मां तर्जुमो थियल उपन्यास

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक:** 100

इकाई(I)	**सागर जी संतान - सुफ़ो 1 खां 133**
इकाई(II)	**सागर जी संतान - सुफ़ो 134 खां 266**
इकाई(III)	**गुनाहनि भरियो देवता – सुफ़ो 1 खां 133**
इकाई(IV)	**गुनाहनि भरियो देवता – सुफ़ो 134 खां 266**
इकाई(V)	**गुनाहनि भरियो देवता – सुफ़ो 267 खां 400**

संदर्भ पुस्तकें:

1. ‘सागर जी सन्तान’ (उपन्यास) - तशी शिव शंकर पलई, तर्जुमोः सुन्दरी उत्तमचन्दानी
2. ‘गुनाहनि भरियो देवता’ (उपन्यास) – धर्मवीर भारती, तर्जुमोः जग॒त आड॒वाणी

SEMESTER - IV
SIN-401 DCC
1843 खां पोइ जी सिंधी शाइरी (भाग - 2)

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक:** 100

इकाई(I) **सुर्ख़ गुलाब सुरहा ख़्वाब वफ़ा जा पंजिकड़ा - सुफ़ो 7 खां 56**

इकाई(II) **सुर्ख़ गुलाब सुरहा ख़्वाब वफ़ा जा पंजिकड़ा - सुफ़ो 57 खां 101**

इकाई(III) **सुर्ख़ गुलाब सुरहा ख़्वाब वफ़ा जा पंजिकड़ा - सुफ़ो 101 खां 156**

इकाई(IV) **शीशे जा घर - भाङो पहिरियों ऐं भाङो ब्रियों**

इकाई(V) **शीशे जा घर - भाङो टियों**

संदर्भ पुस्तकें:

1. 'सुर्ख़ गुलाब सुरहा ख़्वाब' वफ़ा जा पंजिकड़ा - प्रभू वफ़ा, प्रकाशक NCPSL
2. 'शीशे जा घर' - गोवर्धन महबूबाणी 'भारती'

SEMESTER - IV
SIN-402 DCC
सिंधी भाषा जो इतिहास

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक:** 100

इकाई(I)	**सिंधी ब॒ोलीअ जी उत्पति ऐं विकास, हर्फ़ सही - हर्फ़ इलत (स्वर - व्यंजन)**
इकाई(II)	**सिंधी ब॒ोलीअ जूं उपब॒ोलियूं**
इकाई(III)	**सिंधी ब॒ोलीअ जूं लिपियूं**
इकाई(IV)	**सिंधी ब॒ोलीअ ते ब॒ियनि ब॒ोलियुनि जो असरु**
इकाई(V)	**सिंधी इस्तलाह ऐं पहाकनि जो भाषा वैज्ञानिक अभ्यास**

संदर्भ पुस्तकें:

1. भाषा शास्त्र - पोपटी हीरानंदाणी, प्रकाशक NCPSL
2. सिंधी ब॒ोलीअ जी तारीख़ - भेरूमल महरचंद
3. भाषा विज्ञान (हिंदी) - भोलाराम तिवारी
4. सिंधी ब॒ोली - पोपटी हीरानंदाणी
5. सिंधी पहाका - रवि प्रकाश टेकचंदानी
6. सिंधी हिंदी लोकोक्तियों का सांस्कृतिक अध्ययन - हासो दादलानी

SEMESTER - IV
SIN-403 DCC
ब्रियनि भाषाउनि मां तर्जुमो थियल नाटक ऐं कहाणियूं

समय 3 घंटे **अधिकतम अंक:** 100

इकाई(I) **गुजराती एकांकी - हवेली, बड़, अमां**

इकाई(II) **गुजराती एकांकी - विधानसभा, सुईअ जो पाखो, प्रभात वेले पूज़ा में**

इकाई(III) **गुजराती एकांकी - आगाही, मिस्रीअ जी ख़ोजना कंदड़, सुखी कुटुंब**

इकाई(IV) **हैमलेट (नाटक)**

इकाई(V) **1857 जूं आखाण्यूं - 01 खां 05**

संदर्भ पुस्तकें:

1. गुजराती एकांकी - अनुवादक - प्रेम प्रकाश, प्रकाशक NCPSL
2. हैमलेट (नाटक) - शेक्सपीयर, अनुवादक - तीर्थ बसंत, प्रकाशक NCPSL
3. 1857 जूं आखाण्यूं - ख़्वाजा हसन निज़ामी, अनुवादक - ज्ञानप्रकाश टेकचंदाणी 'सरल', प्रकाशक राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत

SEMESTER - IV
SIN-404 DCC
विरहाङे खां पोइ सिंधी नॉविल जो विकास

समय 3 घंटे | **अधिकतम अंक:** 100

इकाई(I)
- गोबिंद माल्ही
- मोहन कल्पना

इकाई(II)
- कृष्ण खटवाणी
- हरी मोटवाणी

इकाई(III)
- लाल पुष्प
- हरी हिमथाणी

इकाई(IV)
- सुंदरी उत्तमचंदाणी
- पोपटी हीरानंदाणी

इकाई(V)
- तारा मीरचंदाणी
- कला प्रकाश

संदर्भ पुस्तकें:

1. सिंधी नॉविल जी ओसर - जगदीश लच्छाणी
2. सिंधी नॉविल जो विकास - हासो दादलानी, प्रकाशक NCPSL